University in News on 09 April 2024

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू और सीडीआरआई मिलकर करेंगे रिसर्च

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) अब एक साथ मिलकर रिसर्च करेंगे। इसे लेकर सोमवार को दोनों संस्थानों के प्रमुखों के बीच एक एमओयू साइन किया गया। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीडीआरआई निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह एमओयू अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण में किरदार निभाएगा।

बीएससी भूगर्भ विज्ञान के प्रैक्टिकल 18 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर परीक्षा 2024 के तहत बीएससी भूगर्भ विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने बताया कि दूसरे सेमेस्टर के 18, चौथे के 19 और छठे के 20 अप्रैल को प्रैक्टिकल होंगे। विद्यार्थियों के लिए रिपोर्टिंग का समय सुबह साढ़े नौ बजे तय किया गया है। विद्यार्थियों के लिए समय से रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

तीन हजार छात्रों के स्कॉलरशिप फॉर्म आगे बढ़े

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के लिए भरे गए तीन हजार छात्रों के स्कॉलरशिप फॉर्म फॉरवर्ड कर दिए गए हैं। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र भी जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि लॉगिन आईडी से विद्यार्थी स्टेटस चेक कर लें। अगर उसमें संस्था स्तर पर लंबित दिखा रहा है तो 12 अप्रैल तक छात्रवृत्ति कार्यालय में संपर्क कर सकेंगे। बता दें, इससे पहले पोर्टल बंद होने के कारण फॉर्म फॉरवर्ड नहीं हो सके थे।

एलयू महिला अध्ययन में दो नए पेपर जोड़े गए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कला संकाय की बोर्ड बैठक का आयोजन सोमवार को किया गया। इसमें कला संकाय के अलग-अलग विभागों ने बोर्ड ऑफ स्टडीज से पास हुए मुद्दों को रखा। इसमें महिला अध्ययन संस्थान की ओर से लिंग संवेदीकरण उत्पन्न करना और वूमेन एंड लाइफ स्किल जैसे दो पेपर को क्रमशः परास्नातक के तीसरे और चौथे सेमेस्टर में जोड़ा गया। फैकल्टी बोर्ड ने इसके संग समेत कई विभागों के प्रस्तावों पर मुहर लगा दी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सीएसआईआर नेट-जेआरएफ की तैयारी कराएगा लविवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। सीएसआईआर लाइफसाइंसेज नेट-जेआरएफ परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को निशुल्क तैयारी कराएगा। इसके लिए वनस्पति विज्ञान विभाग के दो शिक्षकों ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसे कुलपति ने भी स्वीकृति दे दी है, जल्द ही इसकी शुरुआत होगी।

वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. अजय सिंह विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान के अवसरों को आगे बढ़ाने और प्रवेश द्वार के रूप में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षाओं के महत्व को पहचानते हुए यह बीड़ा उठाया है। लाइफसाइंसेज में नेट के लिए कोचिंग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्रों को नेट (NET)- लाइफसाइंसेज के विस्तृत पाठ्यक्रम को समझने के लिए व्यापक सहायता ज्ञान की जरूरत होती है। इसमें प्राणि शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सीएसआईआर (काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इनडस्ट्रियल रिसर्च) लाइफसाइंसेज नेट/जेआरएफ की परीक्षा बहुत अहम है। कई विद्यार्थियों में ऊर्जा और रचनात्मकता होती हैं लेकिन वह आर्थिक सक्षम न होने से पढ़ाई से चूक जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों के लिए यह कोचिंग मददगार साबित होगी।

वनस्पति विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने लाइफसाइंसेज की तैयार की कार्ययोजना

प्रवेश परीक्षा के आधार पर मिलेगा प्रवेश : सीएसआईआर लाइफसाइंसेज नेट/जेआरएफ की कोचिंग में प्रवेश के लिए लविवि एक विशेष परीक्षा कराएगा। इसे उत्तीर्ण करने के बाद ही अभ्यर्थी कोचिंग में प्रतिभाग कर पाएंगे। इसमें संकाय के वरिष्ठ शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ विद्यार्थियों को तैयारी करवाएंगे। इससे पूर्व में विवि के वाणिज्य विभाग में सुपर-30 की तर्ज पर छात्र-छात्राओं को नेट-जेआरएफ की निशुल्क तैयारी कराई जाती है।

एलयू और सीडीआरआई मिलकर करेंगे शोध

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) साथ मिलकर शोध कार्य करेंगे। इसे लेकर सोमवार को दोनों संस्थानों के प्रमुखों के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित हुआ। इस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने हस्ताक्षर किए।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह एमओयू अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण में किरदार निभाएगा। दोनों संस्थाएं विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम करेंगे। एक्स्ट्रामुरल फंडिंग (जैसे सीएसआईआर, डीएसटी, डीबीटी, आईसीएमआर व अन्य फंडिंग एजेंसियों) के लिए सहयोगी परियोजनाएं प्रस्तुत करेंगे। स्नातकोत्तर और अनुसंधान विद्वानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। संकाय विनिमय कार्यक्रम और उपकरण सुविधाओं संग अन्य गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे।

एमओयू के दौरान लविवि के कुलपति, सीडीआरआई की निदेशक व अन्य लोग। संवाद

रूस के संस्थान के साथ भी हुआ एमओयू : लविवि ने विज्ञान के क्षेत्र में रूस के सबसे पुराने संस्थान दक्षिणी समुद्र के जीव विज्ञान संस्थान के साथ पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सोमवार को एक ऑनलाइन बैठक में लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और रूस के जीव विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. रोमन वी. गोरबुनोव ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों के साथ ही संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के आदान-प्रदान में मदद करेगा।

लविवि : दो दिवसीय टेक फेस्ट प्रिज्म की शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में दो दिवसीय टेकफेस्ट प्रिज्म 2024 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने संकाय के गेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 38 विद्यार्थियों और विभिन्न कंपनियों में अच्छा पैकेज पाने वाले 16 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि दो दिवसीय टेक्निकल फेस्ट में कुल 12 इवेंट्स (एल्गोरिथमिक अरेना, बग ठग, कैप्चर द फ्लैग, कोड मैश, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट, ग्रीन बिल्डिंग ड्राइंग, बिल्ड द ब्रिज, रोबोमानिया, सर्किट डिजाइनिंग) होंगे। इसमें शहर के 17 इंस्टीट्यूट के 550 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई तरह से सोचने का अवसर देगा जिससे वे अपने भीतर छिपी प्रतिभा को निखार पाएं। न्यू कैंपस के निदेशक प्रो. आरके सिंह, डॉ. हिमांशु पांडेय आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

अब 15 तक भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विवि ने नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट और इक्जेम्प्टेड परीक्षा के लिए ऑनलाइन फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 15 अप्रैल तक विवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते है। 18 अप्रैल तक परीक्षा फॉर्म को विभाग व संकाय स्तर से फॉरवर्ड करवाकर परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में जमा करना होगा। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। (संवाद)

NBT PAGE 4

LU और रूस के संस्थान के बीच एमओयू

■ **एनबीटी सं, लखनऊः** एलयू ने सोमवार को रूस के सबसे पुराने जीवविज्ञान संस्थान के साथ पांच साल का एमओयू किया। यह एमओयू ऑनलाइन किया गया। एलयू वीसी प्रफेसर आलोक कुमार राय और रूस के दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रफेसर रोमन वी. गोरबुनोव ऑनलाइन जुड़े थे। इस एमओयू से विज्ञान, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

तीन हजार स्कॉलरशिप फॉर्म फॉरवर्ड

■ **एनबीटी सं., लखनऊः** एलयू में सत्र 2023-24 के लिए भरे गए तीन हजार स्टूडेंट्स के स्कॉलरशिप फॉर्म फॉरवर्ड कर दिए गए हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद ने बताया कि अपनी लॉग इन आईडी से स्टूडेंट स्टेटस चेक कर लें। संस्था स्तर पर लंबित दिखा है तो 12 अप्रैल तक अपडेट करा लें।

JAGRAN CITY PAGE III

लैंगिक संवेदनशीलता, महिला एवं जीवन कौशल अब कोर्स का हिस्सा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एम.ए. पाठ्यक्रम के विद्यार्थी क्रिएटिंग जेंडर सेंसटिविटी, वीमेंस एंड लाइफ स्किल्स (लैंगिक संवेदनशीलता, महिला एवं जीवन कौशल) के बारे में पढ़ेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्था ने एम.ए. तीसरे व चौथे सेमेस्टर में इंटर तथा इंट्रा डिपार्टमेंटल कोर्स के रूप में इसे शामिल किया है। बोर्ड आफ स्टडीज के बाद सोमवार को आर्ट्स फैकल्टी बोर्ड की बैठक में इसे मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा नए अध्यादेशों के अनुसार कला संकाय के विभागों की ओर से बोर्ड आफ स्टडीज से नई शिक्षा नीति के तहत आए प्री-पीएच.डी और स्नातक बी.ए के संशोधित पाठ्यक्रम को भी पास कर दिया गया। यह नई शिक्षा नीति के अनुसार तैयार किया गया है।

- यूजी और प्री पीएचडी कोर्स वर्क का संशोधित पाठ्यक्रम पास
- अधिष्ठाता कला संकाय की अध्यक्षता में फैकल्टी बोर्ड की हुई बैठक

महिला अध्ययन संस्थान की समन्वयक डा. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि इंटर डिपार्टमेंटल के तहत एम.ए तीसरे सेमेस्टर में क्रिएटिंग जेंडर सेंसटिविटी पेपर शामिल किया गया है। इसे दूसरे विभागों के विद्यार्थी भी पढ़ सकेंगे। इसमें लिंग संवेदीकरण, उससे जुड़ी केस स्टडी, मीडिया कंटेंट एनालिसिस से लेकर ग्लोबल जेंडर इश्यू के बारे में पढ़ाया जाएगा। एम.ए. चौथे सेमेस्टरम इंट्रा डिपार्टमेंटल के रूप में विभाग के छात्र-छात्राएं महिला और जीवन कौशल (वूमेन एंड लाइफ स्किल) कोर्स में पढ़ेंगे। इसमें जीवन कौशल विकास, व्यक्तिगत कौशल बढ़ाने, क्रिटिकल थिंकिंग से लेकर आने वाली समस्याओं और उसके निदान के बारे में बताया जाएगा। दोनों पेपर चार-चार क्रेडिट के होंगे।

संशोधित पाठ्यक्रम पास : सोमवार को दोपहर दो बजे केके मेनन (डीपीए) सभागार में अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर अरविंद अवस्थी की अध्यक्षता में फैकल्टी बोर्ड की बैठक हुई। इसमें कला संकाय के विभागाध्यक्ष शामिल हुए। विभागों बोर्ड आफ स्टडीज से अनुमोदित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत सभी विषयों में अब प्री-पीएच.डी कोर्स में अब तीन पेपर होंगे। इनमें दो पेपर अनिवार्य और एक वैकल्पिक होगा। पहला पेपर शोध और प्रकाशन नैतिकता (एथिक्स), दूसरा पेपर शोध पद्धति, तीसरा पेपर वैकल्पिक होगा। एनईपी के तहत बी.ए का संशोधित पाठ्यक्रम भी पास कर दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के करीब 32 ऐसे पीएच.डी शोधार्थियों को थीसिस जमा करने का मौका देने पर सहमति बनी, जिनके सात साल पूरे हो चुके हैं।

लवि और सीडीआरआइ के बीच एमओयू

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआइ) लखनऊ की निदेशक डा. राधा रंगराजन ने अकादमिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण में पारस्परिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करेगा। एमओयू के माध्यम से विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम करना, एक्स्ट्रामुरल फंडिंग जैसे सीएसआइआर, डीएसटी, डीबीटी, आइसीएमआर और अन्य फंडिंग एजेंसियों के लिए परियोजनाएं प्रस्तुत करना, उपकरण सुविधाओं को साझा करना आदि शामिल हैं।

समुद्र से जुड़े शोध कार्य के लिए रूस जा सकेंगे छात्र-छात्राएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक व परास्नातक जीव विज्ञान के विद्यार्थी और संकाय सदस्य पर्यावरण, परजीवी और समुद्र से जुड़े एवं केमिकल साइंस के क्षेत्र में शोध कर सकेंगे। इसके लिए लवि ने सोमवार को विज्ञान के क्षेत्र में रूस के सबसे पुराने दक्षिणी समुद्र के जीव विज्ञान संस्थान के साथ पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

आनलाइन बैठक के दौरान लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और रूस के दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. रोमन वी. गोरबुनोव ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद वहां के विद्यार्थी और शिक्षक भी लवि शोध व अन्य प्रोग्राम में आ सकेंगे। प्रो. गोरबुनोव ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण कदम है।

कुलपति प्रो. राय ने कहा कि यह सहयोग उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए भारत और रूस की आपसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हाइड्रोबायोलाजी, जलीय और स्थलीय पारिस्थितिकी, विकिरण और रासायनिक जीव विज्ञान आदि सहित अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र में सहयोग के लिए रोमांचक संभावनाओं को खोलता है।

प्रयोगात्मक परीक्षाएं 18 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बी.एससी जियोलाजी की सम सेमेस्टर प्रयोगात्मक परीक्षाएं 18 अप्रैल से होंगी। इसका समय सुबह 9.30 बजे से रहेगा। दूसरे सेमेस्टर की यह परीक्षा 18 अप्रैल, चौथे सेमेस्टर की 19 और छठे सेमेस्टर की 20 अप्रैल को होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने सोमवार को इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। (जासं)

15 तक भरें परीक्षा फार्म

लखनऊ : लवि ने स्नातक, परास्नातक व डिप्लोमा सम सेमेस्टर के नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूमवेंट व इवजेम्प्टेड परीक्षा के आनलाइन फार्म भरने की तिथि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी है। सोमवार को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। लवि के संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष कार्यालय को जमा कि गए परीक्षा फार्म 18 अप्रैल तक परीक्षा विभाग में उपलब्ध कराना होगा। वहीं, कालेजों को इसी तिथि तक विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म विश्वविद्यालय में जमा करने को मौका दिया गया है। (जासं)

नेट-जेआरएफ की तैयारी के लिए फ्री कोचिंग

लखनऊ विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने सीएसआइआर लाइफ साइंसेज के लिए बनाई योजना

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सीएसआइआर लाइफ साइंसेज नेट व जेआरएफ परीक्षा के लिए मुफ्त कोचिंग कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। वनस्पति विज्ञान विभाग के दो शिक्षकों डा. प्रदीप कुमार और डा. अजय सिंह की इस योजना को कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने मंजूरी दे दी है। इस कोचिंग में जीवन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के इच्छुक स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं शामिल होकर इस क्षेत्र में सीएसआइआर-नेट परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।

सीएसआइआर लाइफ साइंसेज नेट/जेआरएफ परीक्षा के पाठ्यक्रम में प्राणिशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। इन विषयों में पीजी के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम को पूरा करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, उनके करियर की संभावनाओं और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं की योजना बनाई गई है।

प्रवेश परीक्षा से होगा चयन : कोचिंग कक्षाओं के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। कक्षाएं वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और जैव रसायन विभागों के अनुभवी संकाय सदस्यों और नेट/जेआरएफ योग्य अनुसंधान विद्वानों के माध्यम से संचालित की जाएंगी। पाठ्यक्रम को तैयार करने के साथ माक टेस्ट भी होगा। गौरतलब है कि अभी तक वाणिज्य संकाय में यूजीसी नेट/जेआरएफ के लिए फ्री 'सुपर 30' कक्षाएं चलाई जाती हैं।

सीएसआइआर लाइफसाइंसेज नेट/जेआरएफ परीक्षा की तैयारी के लिए फ्री कोचिंग कक्षाएं संचालन की योजना विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगी। इस पहल के लिए आवश्यक सभी बुनियादी ढांचागत सहायता विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाएगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते है कि वित्तीय बाधाएं हमारे छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने में रुकावट न बनें।
-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

राजकीय बिजली पासी कालेज में आवेदन कल से

- बीए, बीएससी, बीकाम में 780 सीटों पर होंगे दाखिले

जासं, लखनऊ : महाराजा बिजली पासी राजकीय पीजी कालेज में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से शुरू होगी। अभ्यर्थी वेबसाइट https://www.mbpgpgc.in/index.php के माध्यम से फार्म भर सकेंगे। आवेदन शुल्क 250 रुपये है।

प्राचार्य प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने बताया कि कालेज में बी.ए. 600, बी.एससी. 120 और बी.काम. की 60 सीटें मिलाकर 780 सीटें हैं। आनलाइन आवेदन भरते समय आधार कार्ड भरना अनिवार्य होगा। फार्म भरने के बाद उसका प्रिंट अवश्य निकाल लें। यह प्रिंट काउंसिलिंग के समय जमा करना होगा। किसी भी तकनीकी असुविधा के लिए अभ्यर्थी कार्यालय अवधि सुबह 10 से शाम पांच बजे के बीच हेल्पलाइन नंबर-0522-404-1116 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सत्र 2023 या उससे पहले 12वीं पास अभ्यर्थियों को अपना ट्रांसफर सर्टिफिकेट अपलोड करना होगा। प्रवेश मेरिट से होंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही आफलाइन फार्म की भी सुविधा दी जाएगी।

पीजी के आवेदन भी जल्द : प्राचार्य ने बताया कि पीजी कोर्सों के लिए भी आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। पीजी एम.एससी में 30, एम.ए हिंदी, अंग्रेजी, भूगोल, समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र मिलाकर प्रत्येक विषय में 60-60 सीटें हैं।

15 जून से यूजी, एक जुलाई से पीजी प्रवेश परीक्षाएं प्रस्तावित

जासं, लखनऊ: लवि ने नए सत्र 2024-25 में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन फार्म के बाद स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा की तिथियां भी प्रस्तावित कर दी हैं। एडमिशन ब्राशर में दी गई सूचना के अनुसार स्नातक की प्रवेश परीक्षाएं 15 से 25 जून तक और परास्नातक की प्रवेश परीक्षाएं एक से 10 जुलाई तक की तिथि प्रस्तावित की गई है।

लवि में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में कैंपस की 4250 सीटों के लिए आनलाइन आवेदन 31 मई तक भरे जाएंगे। परास्नातक के 73 कोर्सों की 5,102 सीटों पर प्रवेश के लिए 10 जून तक आवेदन का मौका है। इसी बीच प्रवेश परीक्षाओं की तिथियां भी प्रस्तावित कर दी गई हैं।

तीन चरणों में होगी यूजी की काउंसिलिंग : स्नातक प्रवेश परीक्षाओं के बाद प्रवेश परीक्षा परिणाम सात जुलाई तक जारी करने की योजना है। उसके बाद तीन चरणों में काउंसिलिंग होगी। पहला चरण 10 से 14 जुलाई, दूसरा चरण 16 से 21 जुलाई, तीसरा चरण 25 से 31 जुलाई तक प्रस्तावित किया गया है।

पीजी प्रवेश परीक्ष परिणाम 20 जुलाई तक : परास्नातक प्रवेश परीक्षा के परिणाम 20 जुलाई तक जारी हो सकते हैं। पहले चरण की काउंसिलिंग 25 जुलाई से प्रस्तावित की गई है।

एडमिशन ब्राशर में जो तिथियां प्रस्तावित की गई है, हमारी कोशिश है कि उसी के अनुसार यूजी और पीजी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएं। फाइनल समय सारिणी में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।
-प्रोफेसर पंकज माथुर, प्रवेश समन्वयक, लखनऊ विश्वविद्यालय

AMRIT VICHAR PAGE 3

जीव विज्ञान के सहारे पढ़ें रूसी पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लविवि का रूस के सबसे पुराने संस्थान से हुआ पांच वर्ष का करार

अमृत विचार : विज्ञान के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। रूस के सबसे पुराने संस्थान के जीव विज्ञान संस्थान के साथ पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन हुआ है। ऑनलाइन बैठक के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति और रूस के दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के निदेशक के बीच तमाम जानकारियां भी साझा की गईं।

जीव विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. रोमन वी गोरबुनोव ने ऑनलाइन बातचीत में लविवि के साथ एक समझौता किया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि ये समझौता छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन, नए पाठ्यक्रमों की स्थापना, सूचना, प्रकाशनों के आदान-प्रदान , सम्मेलनों और कार्यशालाओं के आयोजनों को सक्षम बनाएगा। विज्ञान, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में भी ये अध्ययन कारगर रहेगा।

उधर, ऑनलाइन बातचीत के बीच प्रो. गोरबुनोव ने कहा कि इस समझौता पर हस्ताक्षर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण कदम बनेगा। ये हाइड्रोबायोलॉजी, जलीय और स्थलीय पारिस्थितिकी, विकिरण और रासायनिक जीव विज्ञान आदि सहित अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र में संभावनाओं के द्वार खोलता है। इस अवसर पर डीन, अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा और आईएसएम 9 के आयोजन सचिव और समझौता ज्ञापन के मध्यस्थ डॉ. अमित त्रिपाठी भी मौजूद थे।

टेक्निकल फेस्ट करेगा छात्रों का समग्र विकास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लखनऊ विवि में कुलपति ने किया उत्तीर्ण छात्रों को सम्मानित

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सोमवार को प्रिज्म 2024 कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें कुलपति ने अभियांत्रिकी संकाय के 38 गेट उत्तीर्ण छात्रों और 16 उच्चतम प्लेसमेंट धारकों को सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि प्रिज्म 2024 टेक्निकल फेस्ट में प्रतिभागियों को कौशल दिखाने का मौका मिलेगा। इससे वह अपना समग्र विकास कर सकेंगे। टेक्निकल फेस्ट का लक्ष्य नए समाधानों की खोज करना है। इस अवसर पर रोबो रेस एवं रोबो वार, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की प्रतियोगिता रोबो सॉकर का आयोजन हुआ। इसमें 550 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

आज होंगे 12 इवेंट : संकाय के डीन प्रो एके सिंह ने बताया कि दो दिवसीय टेक्निकल फेस्ट के दूसरे दिन एल्गोरिथमिक अरेना, बग ठग, कैप्चर द फ्लैग, कोड मैश, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, ग्रीन बिल्डिंग ड्राइंग, बिल्ड द ब्रिज, रोबोमानिया, सर्किट डिजाइनिंग का आयोजन होगा। इसमें लखनऊ के 17 इंस्टीट्यूट के छात्र प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते लविवि के कुलपति। अमृत विचार

छात्रवृत्ति को लेकर कुल सचिव के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति को लेकर कुलसचिव की ओर से विभागों को निर्देश जारी किये गए हैं। डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिन छात्रों ने छात्रों ने छात्रवृत्ति को लेकर आवेदन नहीं किया है। वो विभागाध्यक्षों से संपर्क करते हुए आवेदन की प्रक्रिया को समझ लें, ताकि कोई त्रुटि न आ सके। समय का ध्यान भी रखना आवश्यक है।

मुफ्त कोचिंग के सहारे नेट परीक्षाओं की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय मुफ्त कोचिंग के सहारे छात्रों को परीक्षाओं की तैयारी कराने जा रहा है। छात्रों के कोर्स में जीवन विज्ञान में सीएसआईआर लाइफसाइंसेज नेट और जेआरएफ परीक्षा की सुविधा दी जाएगी। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल को आगे बढ़ाने में डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. अजय सिंह आगे आए हैं। जीवन विज्ञान में नेट के लिए कोचिंग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सीएसआईआर लाइफसाइंसेज नेट और जेआरएफ परीक्षा के पाठ्यक्रम में प्राणिशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल किये गए हैं। विवि के प्रवक्ता ने बताया कि पीएचडी में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग सुविधा बेहद कारगर रहेगी। नेट स्कोर का उपयोग करने के लिए ये सुविधा छात्रों को सशक्त बनाने वाली है।

LOKSATYA PAGE 3

टेक्निकल फेस्ट प्रिज्म 2024 का शुभारंभ

लखनऊ,लोकसत्य।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में प्रिज्म 2024 कार्यक्रम का सफल शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो ए. के. सिंह तथा द्वितीय कैंपस के डायरेक्टर प्रो आर. के. सिंह के द्वारा हुआ। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए. के. सिंह ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अभियांत्रिकी संकाय के 38 गेट उत्तीर्ण छात्रों एवं 16 उच्चतम प्लेसमेंट धारकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रिज्म 2024 टेक्निकल फेस्ट में प्रतिभागियों को अपने कौशल को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा, जिसके द्वारा वह अपना समग्र विकास कर सकेंगे।

इस टेक्निकल फेस्ट का लक्ष्य न केवल विज्ञान और तकनीक को बढ़ावा देना है, साथ ही नए समाधानों की खोज करना है, जो हमारे समाज और दुनिया की समस्याओं का समाधान कर सके।डीन प्रो ए. के. सिंह ने कहा कि दो दिवसीय टेक्निकल फेस्ट प्रिज्म 2024 में कुल 12 इवेंट्स (एल्गोरिथमिक अरेना, बग ठग, कैप्चर द फ्लैग, कोड मैश, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट, ग्रीन बिल्डिंग ड्राइंग, बिल्ड द ब्रिज, रोबोमानिया, सर्किट डिजाइनिंग) अयोजित किए जाएंगे। जिसमें लखनऊ के 17 इंस्टीट्यूट के 550 छात्र प्रतिभाग करेंगे। प्रिज्म 2024 में आपको टैक्निकल इवेंट्स के साथ ही सेल्सफोर्स, क्वाड्रेंट, गिटहब, अमेजन वेब सर्विसेस के टेक्निकल सेशन और ट्रैक्स में भाग लेने का भी अवसर मिलेगा।

जो आपमें नई सोच और नये विचारों को उत्पन्न करेगी। इस तेजी से बदलते तकनीकी जगत में अग्रणी बनने के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। जिसमे आप न केवल अपनी तकनीकी योग्यता का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि आपको नए उत्कृष्टता की ऊंचाइयों तक पहुँचने का मौका भी मिलेगा।

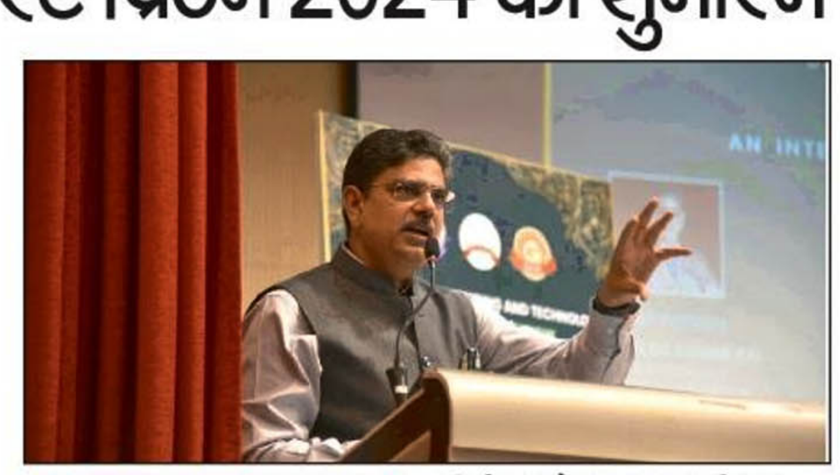

सम्मान

- लखनऊ के 17 इंस्टीट्यूट के 550 छात्र प्रतिभाग करेंगे

लविवि का विज्ञान के क्षेत्र में रूस के साथ पांच वर्षीय समझौता

लखनऊ,लोकसत्य।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार में विज्ञान के क्षेत्र में रूस के सबसे पुराने संस्थान, दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के साथ पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके देश में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की।

आज एक ऑनलाइन बैठक के दौरान, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और रूस के दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. रोमन वी. गोरबुनोव ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह समझौता ज्ञापन छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों और संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन, नए पाठ्यक्रमों की स्थापना, सूचना और प्रकाशनों के आदान-प्रदान और सम्मेलनों और कार्यशालाओं के आयोजन सहित कई सहयोगी पहलों के कार्यान्वयन को सक्षम करेगा। ये समझौते अंततः विज्ञान, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देंगे, साथ ही समानता को बढ़ावा देंगे और समाज के विकास में योगदान बढ़ाएंगे। दोनों संस्थानों ने इस साझेदारी से अपने छात्रों और कर्मचारियों के लिए संभावित अवसरों के बारे में उत्साह व्यक्त किया। प्रो. गोरबुनोव ने कहा कि ‘इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण कदम है’। दूसरी ओर, प्रो. राय ने कहा कि ‘यह सहयोग उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए भारत और रूस की आपसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

साझेदारी

- दक्षिणी समुद्र के जीवविज्ञान संस्थान के संग एमओयू

TOI PAGE 3

NOTES FROM THE LUCKNOW UNIVERSITY CAMPUS

LU, CDRI to collaborate for research

Times News Network

Lucknow: Now, Lucknow University students will get an opportunity to learn about drug discovery from scientists at the Central Drug Research Institute (CDRI).

LU had joined hand with CDRI for several mutual exchange programmes in research and academic training.

"LU and CDRI will be conducting collaborative research programmes in specific fields of interest and submission of collaborative projects for extramural funding (such as CSIR, DST, DBT, ICMR, and other funding agencies), organizing training programmes for postgraduates and research scholars, faculty exchange programmes and sharing of instrumentation facilities," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said these agreements will help in exchanging knowledge, utilization of the start-of-the-art facilities for research and improving research quality.

Master of public health course at LU

Times News Network

Lucknow: Lucknow University has introduced the Master of Public Health (MPH) course for the academic session 2024-25. The university will be offering 30 seats for the course.

According to officials,

the course has been introduced with a vision to create scientifically trained human resources in the area of Nutritional Sciences who will make a positive and substantial contribution in the society.

The course will be offered at the University's Dr Giri Lal Gupta Institute of Public Health and Public Affairs on the second campus,said institute director professor Shalie Malik.

The course will offer three specializations: public health nutrition, clinical nutrition and food service management.

Coaching for life sciences NET exam

Times News Network

Lucknow: The Lucknow University will offer free coaching classes for the CSIR life sciences UGC (NET) exam, after clearing which a candidate is awarded a junior research fellowship (JRF) and gets eligibility for the post of lecturer.

"Recognising the significance of national eligibility tests as a gateway for students to pursue research opportunities and based on the interactions with the students, teachers of the science department came up with the idea to initiate free coaching for CSIR UGC (NET)," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said, "Our teachers interacted with several volunteers who are experts in the field and are ready to conduct classes free of cost. Coaching for NET in life sciences is especially important as students require a comprehensive support desk in navigating the vast syllabus of NET-life sciences."

HT PAGE 3

LU signs MoU with oldest Russian science institute

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: University of Lucknow signed a Memorandum of Understanding with the Institute of Biology of the Southern Seas, the oldest Russian institute of science. The MoU has been signed for a period of five years.

On Monday, Prof Alok Kumar Rai, vice chancellor, University of Lucknow and Prof Roman V Gorbunov, director of the Institute of Biology of the Southern Seas, Russia signed the Memorandum of Understanding (MoU) during an online meeting.

This MoU will enable implementation of several collaborative initiatives, including implementation of student and faculty exchange programmes and joint research projects, establishment of new courses, exchange of information and publications, and the organisation of conferences and workshops.

These agreements will eventually foster international collaboration in the fields of science, education and technology, as well as promote equality, and increased contribution to the development of society.

Both the institutions expressed enthusiasm about the potential opportunities this partnership will bring to their students and staff. Prof Gorbunov noted that

"The signing of this MoU is a key step forward between India and Russia in the realm of higher education".

Prof Rai, on the other hand, stated that this collaboration signifies a mutual commitment of India and Russia to excellence and innovation in higher education and opens up exciting possibilities for collaboration in the broader field of research, including hydrobiology, aquatic and terrestrial ecology, radiation and chemical biology, etc.

MoU with CDRI

The University of Lucknow and Central Drug research Institute (CDRI), Lucknow signed an academic Memorandum of Understanding (MoU). This MoU will facilitate several mutual exchange programmes in research and academic trainings such as conducting collaborative research programmes in specific fields of interest and submission of collaborative projects for extramural funding (such as CSIR, DST, DBT, ICMR, and other funding agencies), organizing training programmes for postgraduates and research scholars, faculty exchange programme and sharing of instrumentation facilities.

These agreements will help in exchanging knowledge, utilization of start-of-the-art facility for research, improving research quality, increasing number of quality publications, filling of intellectual property rights (IPR), and thus it will facilitate in bringing more extramural funds for research.

Eventually, this MoU will improve quality of education and research of the University.